RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
30
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

कमचटका प्रायद्वीप / Kamchatka Peninsula

संदर्भ:

रूस के कामचटका प्रायद्वीप के पास 29-30 जुलाई, 2025 को 8.7 तीव्रता का बहुत शक्तिशाली भूकंप आया। यह पिछले कई दशकों में रूस में आया सबसे बड़ा भूकंप है। इसके कारण रूस, जापान, हवाई, अमेरिका के पश्चिमी तट, अलास्का और अन्य प्रशांत द्वीपों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

मुख्य बिंदु: रूस भूकंप 2025

- **भूकंप का केंद्र:** समुद्र के भीतर, कामचटका प्रायद्वीप के पास, सतह से लगभग 19 किमी गहराई में।
- **प्रभाव:** कई इलाकों में इमारतें हिल गईं, लोगों को बाहर और ऊँचे स्थानों पर शरण लेनी पड़ी, सड़कों और इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत तटीय क्षेत्रों में लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए।
- **सुनामी:** कुछ जगहों पर 4 मीटर (लगभग 13 फीट) तक ऊँची सुनामी की लहरें उठीं। जापान, रूस और अन्य प्रशांत तटीय क्षेत्रों में सुनामी अलर्ट जारी किया गया।
- **वैश्विक असर:** जापान, हवाई, अमेरिका के कैलिफोर्निया-ओरेगन-वॉशिंगटन, अलास्का, और अन्य प्रशांत द्वीपों पर निगरानी और अलर्ट जारी। कई शहरों में यातायात और बिजली आपूर्ति बाधित।
- **जान-माल की हानि:** प्रारम्भिक रिपोर्ट में कोई जानमाल की बड़ी हानि नहीं, लेकिन कई घरों और इमारतों को नुकसान पहुँचा।

भूकंप क्या है?

- भूकंप पृथ्वी की सतह का अचानक और तेज़ कंपन है, जो पृथ्वी की बाहरी परत (क्रस्ट) में ऊर्जा के अचानक रिलीज़ होने से होता है।
- पृथ्वी की सतह पर कई बड़े टुकड़े (टेक्टोनिक प्लेट) हैं। ये लगातार बहुत धीरे-धीरे एक-दूसरे से टकराती या अलग होती रहती हैं। जब इन प्लेटों के किनारों पर दबाव बढ़ जाता है और चट्टानें टूट जाती हैं, तो यह ऊर्जावान झटका भूकंप कहलाता है।
- ऊर्जा के ये झटके "सिस्मिक वेव्स" (seismic waves) के रूप में फैलते हैं। इनके कारण ज़मीन हिलती है, इमारतें गिर सकती हैं, सुनामी आ सकती है और कई बार ज़मीन दरक भी जाती है।
- भूकंप की तीव्रता "रिक्टर स्केल" (Richter Scale) या "मोमेंट मैग्निट्यूड स्केल" पर मापी जाती है; हर एक अंक बढ़ने पर झटकों की ताकत 10 गुना और ऊर्जा 32 गुना बढ़ जाती है।

कमचटका प्रायद्वीप (Kamchatka Peninsula) –

स्थान (Location):

- यह **दूर-पूर्वी रूस (Far Eastern Russia)** में स्थित है।
- पश्चिम में **ओखोटस्क सागर (Sea of Okhotsk)** और पूर्व में **प्रशांत महासागर (Pacific Ocean)** तथा **बेरिंग सागर (Bering Sea)** से घिरा है।

भू-आकृतिक विशेषताएं:

- यह क्षेत्र दुनिया के **सबसे अधिक भू-तापीय सक्रिय क्षेत्रों** में से एक है।
- यह **'कमचटका क्राय' (Kamchatka Krai)** का हिस्सा है।
- इसे "अग्नि और हिम की भूमि" (Land of Fire and Ice) भी कहा जाता है।
- यह **पैसिफिक रिंग ऑफ फायर (Pacific Ring of Fire)** पर स्थित है।
- यहां **150 से अधिक ज्वालामुखी** हैं, जिनमें **29 सक्रिय** हैं।

आकार और क्षेत्रफल:

- उत्तर-दक्षिण लंबाई: लगभग **1,200 किमी**।
- अधिकतम चौड़ाई: लगभग **480 किमी**।
- क्षेत्रफल: लगभग **3,70,000 वर्ग किमी**।
- यह **न्यूजीलैंड** जितना बड़ा है और दुनिया के **सबसे बड़े प्रायद्वीपों** में शामिल है।

जनसंख्या:

- लगभग **3 लाख लोग** यहाँ निवास करते हैं।
- जनसंख्या घनत्व: **1 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से भी कम**, यानी दुनिया के सबसे कम घनत्व वाले क्षेत्रों में से एक।

जलवायु (Climate):

कठोर जलवायु।

लंबी, ठंडी और बर्फीली सर्दियाँ, तथा **ठंडी और आर्द्र गर्मियाँ**।

उच्चतम बिंदु:: **क्ल्यूचेव्स्काया सोपका** पूर्वी पर्वत श्रृंखला (Eastern Range) में स्थित।

ड्रोन अभ्यास "प्रहार / Exercise Drone Prahar

संदर्भ:

भारतीय सेना ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में एक ड्रोन अभ्यास किया, जिसमें ड्रोन तकनीक को सामरिक अभियानों में शामिल करने पर जोर दिया गया।

ड्रोन अभ्यास "प्रहार" का मुख्य उद्देश्य:

- विभिन्न स्तरों की निगरानी के माध्यम से सामरिक कमांडरों की निर्णय लेने की क्षमता और नियंत्रण क्षेत्र को बेहतर बनाना।
- युद्ध के मैदान में सटीक लक्ष्यभेदन (precision targeting) को अंजाम देना।

ड्रोन अभ्यास "प्रहार": मुख्य बिंदु-

स्थान: अरुणाचल प्रदेश ईस्ट सियांग ज़िले के सैन्य स्टेशन पर

यह अभ्यास यथार्थवादी अभियान स्थितियों (realistic operational conditions) में आयोजित किया गया

इसमें युद्धक्षेत्र के सामरिक और परिचालन (tactical and operational) स्तरों पर ड्रोन का प्रभावी उपयोग दिखाया गया, जिसमें खुफिया जानकारी, निगरानी, पहचान, रियल-टाइम सेंसर-टू-शूटर लिंक और सटीक लक्ष्यभेदन शामिल थे।

ड्रोन की परत-दर-परत तैनाती (layered deployment) के ज़रिए पूरे क्षेत्र में निगरानी और हमले की क्षमताएं परखी गईं।

महत्व: यह अभ्यास दिखाता है कि भारतीय सेना अब पारंपरिक युद्ध प्रणाली से आगे बढ़कर आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से युद्ध रणनीतियों को और अधिक प्रभावी बना रही है।

निष्कर्ष: ड्रोन अभ्यास "प्रहार" भारतीय सेना की युद्ध रणनीतियों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अभ्यास न केवल ड्रोन तकनीक के प्रभावी सैन्य उपयोग को प्रदर्शित करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सेना अब तकनीक-संचालित युद्ध कौशल को अपनाकर भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही है।

यथार्थवादी परिस्थितियों में आयोजित इस अभ्यास ने दिखा दिया कि सटीकता, गति और निगरानी क्षमता जैसे क्षेत्रों में ड्रोन एक निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। "प्रहार" जैसे अभ्यास भारत की रक्षा क्षमताओं को अधिक सुदृढ़, आधुनिक और प्रतिक्रियाशील बनाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड / BEL

संदर्भ:

हाल ही में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL), जो एक नवरत्न रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने ₹563 करोड़ की एक बड़ी परियोजना का ऑर्डर हासिल किया है। यह महत्वपूर्ण सफलता कंपनी की बढ़ती परियोजना सूची में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है।

परिचय: भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) भारत की एक सार्वजनिक क्षेत्र की एयरोस्पेस और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी है, जिसका मुख्यालय **बेंगलुरु** में स्थित है। यह मुख्य रूप से **जमीन और एयरोस्पेस से जुड़ी उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों** का निर्माण करती है। BEL, रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाले **16 सार्वजनिक उपक्रमों** में से एक है और भारत सरकार द्वारा इसे **नवरत्न का दर्जा** प्राप्त है।

BEL को प्राप्त ₹563 करोड़ के नए रक्षा ऑर्डर: मुख्य बिंदु-

- ₹563 करोड़ का एक बड़ा रक्षा ऑर्डर प्राप्त करना, यह कंपनी का ऑर्डर बुक और मजबूत करता है।
- **ऑर्डर किसने दिया:** यह ऑर्डर **रक्षा मंत्रालय (Ministry of Defence)** ने BEL को जारी किया है।
- ये ऑर्डर BEL की **वैधानिक 'Make in India' पहल, Atmanirbhar Bharat** की दिशा में आगे बढ़ने वाले कदम के रूप में देखे जा सकते हैं, जिससे भारत में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है।
- BEL की यह उपलब्धि भारतीय रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उसकी मजबूत स्थिति और विश्वास को दर्शाती है।

BEL को प्राप्त ₹563 करोड़ के नए रक्षा ऑर्डरों में शामिल:

- नेशनल मेरीटाइम डोमेन अवेयरनेस सिस्टम, गन के लिए इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन उपकरण, एक्टिव एंटीना एरे यूनिट्स, सैटकॉम इंटरसेप्शन सिस्टम, सीकर (Seeker) डिवाइसेज़, टारगेट एक्विजिशन सिस्टम, जैमर सिस्टम

स्पेयर पार्ट्स और सेवाएँ BEL की वित्तीय स्थिति: BEL की वित्तीय स्थिति वर्तमान में बेहद मजबूत दिखती है। लगातार बढ़ते ऑर्डर, लाभप्रद Q4/Q1 प्रदर्शन, शून्य कर्ज, और व्यापक व्यावसायिक पोर्टफोलियो इसे एक स्थिर और भरोसेमंद नवरत्न PSU बनाते हैं।

- इसकी वित्तीय ताकत, आत्मनिर्भरता और भविष्य के प्रोजेक्ट्स में विस्तार की क्षमता इसे रक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती है।
- हालांकि इन ऑर्डरों का सटीक वित्तीय प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन ₹563 करोड़ की बड़ी राशि से आने वाली तिमाहियों में BEL की **आय (Revenue)** और **लाभ (Profitability)** पर सकारात्मक असर पड़ने की संभावना है।

ICGS Atal Fast पेट्रोल पोत

संदर्भ:

हाल ही में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए आईसीजीएस (Indian Coast Guard Ship) अटल फास्ट पेट्रोल पोत लॉन्च किया

आईसीजीएस अटल: मुख्य बिंदु-

- यह 29 जुलाई, 2025 को वास्को-डी-गामा, गोवा में आयोजित एक समारोह में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए लॉन्च किया।
- यह रक्षा मंत्रालय के तहत प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम जीएसएल द्वारा आईसीजी (Indian Coast Guard) के लिए निर्मित किए जा रहे आठ अत्याधुनिक स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए एफपीवी (Fast Petrol Vessel) की श्रृंखला में छठा है।
- इससे भारत की समुद्री जागरूकता और राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- **ATAL पोत,** भारत की **स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता** में हो रही प्रगति और **गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL)** की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उन्नत स्वदेशी पोत प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
- इसके माध्यम से **स्थानीय उद्योगों, MSMEs और उद्यमियों** के लिए रोजगार और व्यापार के अवसर पैदा हुए हैं, क्योंकि निर्माण कार्य में अधिकांश भागीदारी **स्थानीय स्तर पर** हुई है।

आईसीजीएस अटल: प्रमुख विशेषताएं-

- यह एफपीवी 52 मीटर लंबे, 8 मीटर चौड़े और 320 टन विस्थापन वाले हैं।
- यह उच्च गति वाली नावें तटीय गश्त, द्वीप सुरक्षा मिशन और अपतटीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए सुसज्जित हैं
- ये पोत तस्करी-रोधी, समुद्री डकैती-रोधी और खोज एवं बचाव अभियान भी चलाएंगे।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL):

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) भारत सरकार का एक रक्षा क्षेत्र का सार्वजनिक उपक्रम है, जो **गोवा के वास्को-दा-गामा** में स्थित है। इसकी स्थापना **1957 में पुर्तगाली शासन** द्वारा "Estaleiros Navais de Goa" नाम से की गई थी, जिसका उद्देश्य खनन उद्योग के लिए **बार्ज (बोट्स)** बनाना था।

- **1961 में गोवा के भारत में विलय** के बाद, इस यार्ड को **भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के लिए युद्धपोत निर्माण** के लिए उपयोग में लाया गया।

IRCTC यूजर आईडी निष्क्रिय / IRCTC User ID Deactivated

संदर्भ:

Indian Railways के IRCTC प्लेटफॉर्म ने 2.5 करोड़ से अधिक यूजर आईडी डाटा एनालिटिक्स के आधार पर डिएक्टिवेट की हैं।

मुख्य उद्देश्य टिकट बुकिंग में धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और बॉट्स/एजेंट्स की गड़बड़ी पर नियंत्रण करना है। ऐसी गतिविधियों के चलते कई बार असली यात्रियों को टिकट नहीं मिल पाते थे या टिकट सेकंड्स में बिक जाते थे.

कैसे पहचान हुई: उन्नत डाटा एनालिटिक्स का उपयोग कर संदिग्ध बुकिंग पैटर्न, एक जैसे विवरण, असामान्य बार-बार बुकिंग, और कई बार फर्जी या डुप्लीकेट अकाउंट्स को ट्रैक किया गया। इन यूजर आईडीज़ को निष्क्रिय कर दिया गया ताकि सिर्फ असली यात्रियों को ही टिकट बुक करने का मौका मिल सके.

नई पहल व सुधार (Reforms):

- 1 जुलाई 2025 से Tatkal टिकट सिर्फ आधार से प्रमाणित यूजर्स ही IRCTC वेबसाइट/एप पर बुक कर सकते हैं।
- एजेंट्स के लिए पहले 30 मिनट तक Tatkal बुकिंग पर रोक।
- लगभग 89% टिकट अब ऑनलाइन बुक होते हैं।
- PRS काउंटर पर भी डिजिटल पेमेंट का विकल्प।
- बोट्स और एजेंट्स द्वारा टिकट ब्लॉकिंग रोकने के लिए डाटा निगरानी तेज की गई है।
- 'VIKALP Scheme' और अपग्रेडेशन योजना से वेटलिस्टेड यात्रियों को कन्फर्म टिकट पाने में मदद।
- विशेष ट्रेन सेवाएं और कोच जोड़ना, जब उच्च मांग देखी जाती है.

यात्रियों के लिए फायदे:

- टिकट बुकिंग अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष होगी।
- आम यात्रियों को तेजी से टिकट उपलब्ध होंगे और धोखाधड़ी कम होगी।
- डिजिटल सिस्टम और नियमों की वजह से टिकटिंग सिस्टम में सुधार.

उपाय:

- अपना IRCTC अकाउंट हमेशा अपडेट और केवल एक ही रखें।
- अकाउंट से आधार नंबर लिंक करें, खासकर Tatkal टिकट के लिए।
- फर्जी डिटेल्स, कई अकाउंट या संदिग्ध बुकिंग से बचें।
- अगर आपका अकाउंट डिएक्टिवेट हुआ है, तो IRCTC eQuery पेज पर शिकायत दर्ज करें.

GS FOUNDATION For

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF STOCK MARKET

LEARN HOW TO TRADE

FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH

COMBO OFFERS

COURSE FEE

~~₹4000/-~~

OFFER PRICE

₹2800/-

Course Validity 1 YEAR

BBK Baaten Bazaar ki

एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

EMI AVAILABLE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR